

Мундарижа

Онамнинг мозорида.....	4
Қишлоғимни эсларкан.....	5
Қутганда.....	6
Қуз ва қиз.....	7
Ўнафша.....	8
Кечқурун.....	10
Қуз сезгиси.....	11
Оғочликларда.....	12
Хаёлим.....	13
Кеча сирлари.....	14
«Оқшом кўлкаси чўкди...».....	15
Томчиларга.....	16
Узоқда туриб.....	17
Кечага.....	18
«Кўзингдан бошқа...».....	19
Қуёш.....	20
Баҳор қўшиқларидан.....	21
«Эркаланиб ётаман...».....	22
«Қалбимнинг фарёди...».....	23
«Нақадар тотлидир...».....	24
«Уфқлар қуроқ тутди...».....	26
Эрта баҳор.....	27
Санъат ишқи.....	28
«Гуллар, майсалар...».....	29
Денгизда оқшом.....	30
Қундуз.....	31
Қишки оқшом.....	32
«Булутлар сочингга...».....	33
Қузда.....	34
«Бир ютум май каби...».....	35
Наъматак.....	36
«Юраман, тошади севинчим...».....	37
«Абадият ва умр...».....	38
«Шамол, бир эртақ ўқи...».....	39
«Бўш қуним...».....	40
«Майли, сув ич...».....	43
«Одмалар тарам-тарам...».....	44
«Йиги келмайди сира...».....	45
«Юлдузлар чаман-чаман...».....	46